CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: VIII

SUBJECT: HINDI

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून **15**	पुनरावृत्ति 1)वर्ण–विचार, पंचम वर्ण वर्ण विच्छेद एवं संयोजन , र के विभिन्न प्रकार , अनुस्वार , अनुनासिक	1) वर्ण व वर्णमाला की अवधारणा स्पष्ट करना। 2) ह्रस्व व दीर्घ मात्राओं का अभ्यास कराना। 3) र के विभिन्न रूपों से परिचय कराना। 4) अनुस्वार , अनुनासिक का अभ्यास कराना।	**1**) स्वर व व्यंजन को पहचानने व वर्गीकृत करने में सक्षम बनाना। 2) वर्ण–विच्छेद ,वर्ण–संयोजन का अभ्यास कराना। 3) र के विभिन्न रूपों का योग्य स्थानों पर प्रयोग करना। 4) रचनात्मकता का विकास करना। **5)** अनुस्वार , अनुनासिक योग्य स्थानों पर प्रयोग करना।	1) वर्ण–विच्छेद कीजिए –धर्म , क्षमता , श्रम 2) वर्ण–संयोजन कीजिए – ओ+र , क्+ऋ+त्+इ 3)योग्य स्थानों पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए – गाव , कुआ दात आदि का श्यामपट पर अभ्यास कराना।	**1**) छात्र स्वर व व्यंजन को पहचानने व वर्गीकृत करने में सक्षम हुए । 2) वर्ण–विच्छेद ,वर्ण–संयोजन स्वविवेक से करने लगे। 3) र के विभिन्न रूपों का योग्य स्थानों पर प्रयोग करने लगे। 4) रचनात्मकता का विकास हुआ। **5)** अनुस्वार , अनुनासिक योग्य स्थानों पर प्रयोग करने लगे।	अभ्यास कार्य के द्वारा

	1) कबीर की साखियाँ	1 दोहों के सस्वर गायन का अभ्यास कराना। 2 अपने विचारों को सटीक, संबद्ध व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। 3 परिचर्चा विधा का अभ्यास कराना। 4 दिए हुए विषयों पर मौलिक अभिव्यक्ति देने में सक्षम बनाना।	1 बाह्य आडंबर के स्थान पर ज्ञान व उपयोगिता के महत्त्व से परिचित कराना । 2 अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करने व मीठी वाणी का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करना। 3 किसी भी कार्य को एकाग्रचित्त होकर करने के लिए प्रेरित करना। 4 छोटी से छोटी वस्तु के महत्त्व को समझने की समझ विकसित करना। 5 अपने व्यवहार का विश्लेषण करने हेतु प्रेरित करना। 6 दोहों की प्रासंगिकता सर्वसामायिक है– यह बात समझाना।	गतिविधि–(1) कबीरदास जी के दोहों का ऑडियो सुनाकर पाठ–प्रवेश गतिविधि–(2) पी पी टी के माध्यम से दोहों का वाचन व व्याख्या (3) परिचचा परिचचा (विश्लेषण) विषय–वर्तमान समय में बाह्य आडंबर आवश्यक है। गतिविधि–(4) अनुच्छेद–लेखन विषय–1) मीठी वाणी का महत्त्व 2)तिनका कबहुँ न निंदिए	1 दोहों के सस्वर गायन का अभ्यास हुआ। 2 अपने विचारों को सटीक, संबद्ध व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना सीखा। 3 परिचर्चा विधा का अभ्यास हुआ। 4 दिए हुए विषयों पर मौलिक अभिव्यक्ति देने में सक्षम हुए। 5 ज्ञान व उपयोगिता का महत्त्व है,बाह्य आडंबर का नहीं, इस बात से परिचित हुए। 6 अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करने व मीठी वाणी का प्रयोग करने हेतु प्रेरित हुए। 7 किसी भी कार्य को एकाग्रचित्त होकर करने के महत्त्व को समझकर एकाग्रता से करने के लिए प्रेरित हुए। 8 छोटी से छोटी वस्तु के महत्त्व को समझने की समझ विकसित हुई। 9 अपने व्यवहार का विश्लेषण करने हेतु प्रेरित हुए। 10 वर्तमान परिदृश्य में दोहों की प्रासंगिकता को समझा।	परिचर्चा / अनुच्छेद–लेखन के द्वारा

जुलाई 24	क्या निराश हुआ जाए	**1** वाचन कौशल का विकास। 2 अपनी बात तर्कपूर्वक कहना। 3 परिचर्चा के घटकों का परिचय देना। 4 पत्र लेखन कौशल का विकास करना। 5 समास का परिचय – द्वंद्व समास 6 युग्म शब्दों का परिचय	**1** निःस्वार्थ भाव से मदद करने की सीख देना। 2 किसी व्यक्ति के सिर्फ दोषों को न देखते हुए उसमें छिपे गुणों को महत्त्व देने की सीख देना। 3 विपरीत परिस्थितियों के बीच सकारात्मक बने रहने की सीख देना। 4 ईमानदार व सत्यवादी बने रहने की सीख देना। 5 कृतज्ञता व्यक्त करना।	गतिविधि– (1)समाचार पत्र से पाँच सकारात्मक घटनाओं का वाचन (2) परिचर्चा – जीवन–मूल्यों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता (3) पत्र लेखन– जब किसी ने आपकी अकारण मदद की हो तब उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए पत्र लिखिए। (4) समाचार पत्र से पाँच सकारात्मक घटनाओं का संकलन कर उस पर अपनी टिप्पणी लिखिए। (5) पाठ में आए द्वंद्व समास के पाँच उदाहरण छाँटिए।	**1** वाचन कौशल का विकास हुआ। 2 अपनी बात तर्कपूर्वक कहने लगे। 3 परिचर्चा के घटकों को जाना। 4 पत्र लेखन कौशल का विकास करना। 5 समास का परिचय हुआ। – द्वंद्व समास 6 युग्म शब्दों का परिचय हुआ। 7 निःस्वार्थ भाव से मदद करने के लिए प्रेरित हुए। 8 किसी व्यक्ति के सिर्फ दोषों को न देखते हुए उसमें छिपे गुणों को महत्त्व देने लगे। 9 विपरीत परिस्थितियों के बीच सकारात्मक बने रहने का प्रयास करने लगे। 10 ईमानदार व सत्यवादी बने रहने के लिए प्रेरित हुए। 11 कृतज्ञता व्यक्त करने लगे।	समाचार पत्र की घटनाओं पर टिप्पणी / परिचर्चा के द्वारा
	भगवान के डाकिए	**1** रचनात्मकता का विकास करना। 2 कल्पनाशीलता का विकास करना। 3 सुनकर अर्थग्रहण क्षमता का विकास	**1. वसुधैव कुटुम्बकम्** की भावना जागृत करना। **2** प्रेम व भाईचारे का संदेश देना।	**गतिविधि (1)** पंछी , हवा ———— गीत सुनाया जाएगा। **(2)** पक्षियों की ओर से भगवान को एक पत्र लिखिए। **(3)** अनुच्छेद लेखन – **प्रकृति की सीख**	**1** रचनात्मकता का विकास हुआ। 2. कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 3 सुनकर अर्थग्रहण क्षमता	अनुच्छेद लेखन /पत्र लेखन के द्वारा

		करना। 4 क्रियाविशेषण पहचानना।			का विकास हुआ। 4 क्रियाविशेषण पहचानने लगे। **5. वसुधैव कुटुम्बकम्** की भावना जागृत हुई। **6** प्रेम व भाईचारे का संदेश मिला।	
	3 सुदामाचरित	**1** काव्य विधा का परिचय । **2** नए शब्दों का अर्थ बताकर शब्दकोष बढ़ाना। **3** सार लेखन सिखाना। 4 रोचक, प्रभावी लेखन सिखाना। 5 कल्पनाशीलता का विकास। 6. सृजनात्मकता का विकास करना। 7 एकांकी प्रस्तुत करना सिखाना।	**1** सच्ची मित्रता के भाव से परिचित करवाना। **2** सच्ची मित्रता में कोई बंधन नहीं होता यह सिखाना। **3** निर्धनता के बाद मिलनेवाली संपन्नता के अनुभव से परिचित कराना। 4 संवेदनशीलता निर्माण करना।	**गतिविधि 1**–आपके मित्र की विशेषताएँ लिखिए। **2** – श्रीकृष्ण सुदामा पर पी पी टी दिखाना। **3** –पाठ पर आधारित एकांकी की प्रस्तुति । **4** – अधूरी कहानी पूर्ण कीजिए । (मित्रता के भाव पर आधारित)	**1** काव्य विधा का परिचय हुआ। **2** नए शब्दों का अर्थ समझा। 3 रोचक, प्रभावी लेखन सोखा। 4 कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 5. सृजनात्मकता का विकास हुआ । 6 एकांकी प्रस्तुत करना सीखा। 7 सच्चो मित्रता के भाव से परिचित हुए। **8** सच्ची मित्रता में कोई बंधन नहीं होता यह सीखा।	एकांकी की प्रस्तुति / अधूरी कहानी पूर्ण कीजिए के द्वारा
अगस्त 21	1) बस की यात्रा **व्याकरण**–संधि –दीर्घ , गुण , वृद्धि	1 व्यंग्य विधा से परिचित कराना। 2 आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन का अभ्यास कराना। 3 अर्थग्रहण करते हुए	1 किसी भी वस्तु के उचित प्रकार से उपयोग करने व रखरखाव पर ध्यान केन्द्रित कराना। 2 उत्तरदायित्व का बोध कराना।	गतिविधि (1) समाचार–पत्रों से हास्य व्यंग्यात्मक लेखों का संकलन व कक्षा में आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ वाचन । (2) उपरोक्त लेखों के वाचन के पश्चात् विद्यार्थियों से ही उसमें निहित तथ्य व संदेश पूछना ।	1 व्यंग्य विधा से परिचित हुए। 2 आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन का हुआ। 3 अर्थग्रहण करते हुए वाचन का अभ्यास हुआ।	व्यंग्यात्मक लेखों के वाचन के द्वारा/ विज्ञापन–निर्माण के द्वारा

		वाचन का अभ्यास कराना। 4 पढ़कर उस पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम बनाना। 5 ब्रोशर–निर्माण सिखाना। 6 विज्ञापन–निर्माण का अभ्यास कराना। 7 तुकबंदी युक्त नारों का निर्माण करने का अभ्यास कराना। 8 कल्पनाशीलता व रचनात्मकता का विकास करना।	3 सार्वजनिक संपत्ति का प्रयोग समझदारीपूर्वक करने की सीख देना।	(3) किसी ट्रैव्हल कंपनी का ब्रोशर–निर्माण (4) म•प्र• टूरिज़्म की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु विज्ञापन–निर्माण। (5) स्कूल–फर्नीचर की कहानो, उन्हीं की जुबानी	4 पढ़कर उस पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम हुए। 5 ब्रोशर–निर्माण सीखा। 6 विज्ञापन–निर्माण का अभ्यास हुआ। 7 तुकबंदी युक्त नारों का निर्माण करने का अभ्यास हुआ। 8 कल्पनाशीलता व रचनात्मकता का विकास हुआ। 9 किसी भी वस्तु के उचित प्रकार से उपयोग करने व रखरखाव पर ध्यान देने की आवश्यकता को समझा। 10उत्तरदायित्व का बोध हुआ। 11 सार्वजनिक संपत्ति का प्रयोग समझदारीपूर्वक करने की सीख मिली।	
	2)पानी की कहानी	1 अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। 2 विज्ञापन–निर्माण का अभ्यास कराना। 3 तुकबंदी युक्त नारों के निर्माण का अभ्यास कराना। 4 अपनी बात को संक्षेप	1 प्रत्येक परिस्थिति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और प्रसन्न रहने की सीख देना। 2 रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ने की सीख देना।	गतिविधि (1)– विज्ञान व सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका के द्वारा जल के निर्माण व अस्तित्व–चक्र का वर्णन (2) जल–चक्र से संबंधित वीडियो लिंक–https://youtu.be/X_ZTrmNdii8 (3) अनुच्छेद लेखन–'जल ही जीवन है' (4) जल–संरक्षण हेतु जागरुकता फैलाने के लिए विज्ञापन व नारे (प्रस्तुति) (5)– नुक्कड़–नाटक लेखन व मंचन	1 अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करने का अभ्यास हुआ। 2 विज्ञापन–निर्माण का अभ्यास हुआ। 3 तुकबंदी युक्त नारों के निर्माण का अभ्यास हुआ। 4 अपनी बात को संक्षेप में प्रभावी रूप से कह सकने में सक्षम हुए।	विज्ञापन व नारे / अनुच्छेद लेखन के द्वारा

		में प्रभावी रूप से कह सकने में सक्षम बनाना। 5 नुक्कड़–नाटक का अभ्यास कराना। 6 हाव–भाव व आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव के साथ बोलने का अभ्यास कराना। 7 नवीन शब्दावली से परिचित कराना। 8 उचित वर्तनियों के साथ लिखने का अभ्यास कराना। 9 मानवीकरण विधा से परिचित कराना। 10 कल्पनाशीलता का विकास करना।	3 जागरुकता उत्पन्न करना। 4 चिंतन–मनन व विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना।		5 नुक्कड़–नाटक का अभ्यास हुआ। 6 हाव–भाव व आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव के साथ बोलने का अभ्यास हुआ। 7 नवीन शब्दावली से परिचित हुए। 8 उचित वर्तनियों के साथ लिखने का अभ्यास हुआ। 9 मानवीकरण विधा से परिचित हुए। 10 कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 11 प्रत्येक परिस्थिति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और प्रसन्न रहने की सीख से परिचित हुए। 12 रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ने की सीख से परिचित हुए। 13 जागरुकता उत्पन्न हुई और दूसरों को जागरुक करना सीखा। 14 चिंतन–मनन व करने की क्षमता का विकास हुआ।	
सितंबर 21	1) कामचोर **व्याकरण–समास** –द्विगु , द्वंद्वव , अव्ययीभाव	**1** दिए गये विषय पर धारा प्रवाह बोलन के लिए प्रेरीत करना। 2 तर्क–वितर्क करने	**1** समय पर और सही तरीके से काम न करने पर होनेवाले परिणाम से	**गतिविधि** (1) तालिका निर्माण– आप अपने कौनसे कार्य स्वयं करते है ? और कौन –से कामों के लिए माता– पिता पर निर्भर है ? (2) स्वावलंबन का महत्त्व : अनुच्छेद लेखन	1 दिए गये विषय पर धारा प्रवाह बोलन लगे। 2 तर्क–वितर्क करने की क्षमता का विकास हुआ।	अनुच्छेद लेखन/ समूह चर्चा के द्वारा

अक्तूबर	**व्याकरण–विराम चिह्न–प्रश्नवाचक,पूर्णविराम,कोष्टक, उद्धरण , अल्पविराम** **अद्धवार्षिक परीक्षा–2017–18**	की क्षमता का विकास करना। 3 नए शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना। 4 मौलिकता एवं आत्मविश्वास के साथ लेखन करना सिखाना। 5 समग्र बिंदुओं के साथ पूर्ण उत्तर लिखने में सक्षम बनाना। 6 मुहावरों का वाक्य प्रयोग करना सिखाना। ----------	अवगत कराना। 2 सुव्यवस्थित कार्यशैली के परिणामों से अवगत करवाना। 3 अपना कार्य स्वयं करने की सीख देना। **4** अपनी क्षमतानुसार कार्य करने के लिए प्रेरीत करना। ----------	(3) एकल व संयुक्त परिवार के फायदे व नुकसान –समूह चर्चा	3 नए शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम हुए। 4 मौलिकता एवं आत्मविश्वास के साथ लेखन करना सीखा। 5 समग्र बिंदुओं के साथ पूर्ण उत्तर लिखने में सक्षम हुए। **6** समय पर और सही तरीके से काम न करने पर होनेवाले परिणाम जाना। 7 सुव्यवस्थित कार्यशैली के परिणामों से अवगत हुए। 8 अपना कार्य स्वयं करने की सीखा।	
नवम्बर 23	1)सूरदास के पद	विशिष्ट उद्देश्य– 1 ब्रज भाषा की कविताओं से परिचित कराना। 2 काव्य के नौ रसों, विशेषतः वात्सल्य रस की कविताओं से परिचित कराना। 3 नवीन शब्दावली से अवगत कराना। 4 स्पष्ट व प्रवाहपूर्ण वाचन का अभ्यास कराना। 5 कृष्ण के पर्यायवाची शब्दों से परिचित	1व्यवहार का विश्लेषण कर सकने में सक्षम बनाना। 2 मित्रता का महत्त्व समझाना।	**गतिविधि(1)**श्रीकृष्ण की बाललीलाओं तथा भक्त कवियों की चर्चा करते हुए पाठ–प्रवेश (2)सूर के अन्य पदों का संकलन व वाचन (3)नौ रसों पर आधारित कविता की पंक्तियों का वाचन (4) अनुच्छेद–लेखन–''मित्रता–एक अनमोल रत्न''	1ब्रज भाषा की कविताओं से परिचित हुए। 2 काव्य के नौ रसों, विशेषतः वात्सल्य रस की कविताओं से परिचित हुए। 3 नवीन शब्दावली को जाना। 4 स्पष्ट व प्रवाहपूर्ण वाचन का अभ्यास हुआ। 5 कृष्ण के पर्यायवाची शब्दों से परिचित हुए। 6 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द से परिचित हुए। 7 अनुच्छेद लेखन का अभ्यास हुआ।	नौ रसों पर आधारित कविता की पंक्तियों का वाचन/ अनुच्छेद–लेखन के द्वारा

		कराना। 6 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द से परिचित कराना। 7 अनुच्छेद लेखन का अभ्यास कराना।			8 व्यवहार का विश्लेषण करना सीखा। 9 मित्रता के महत्त्व को समझा।	
	2) अकबरी लोटा	1 हास्य व्यंग्य युक्त कहानी से परिचित कराना। 2 उचित हाव–भाव, आवाज़ के उतार–चढ़ाव व उचित विराम के साथ वाचन का अभ्यास कराना। 3 हास्य विज्ञापन विधा (एड मैड शो) से परिचित कराना। 4 उचित हाव–भाव के साथ संवाद–अदायगी का अभ्यास कराना। 5 कल्पनाशीलता का विकास करना। 6 मुहावरों की जानकारी देना।	1 वाक्पटुता के महत्त्व से परिचित कराना। 2 परिस्थिति अनुसार त्वरित–निर्णय लेने के महत्त्व से परिचित कराना। 3 अपनी बात को प्रभावी रूप से कहने का अभ्यास कराना।(प्रभावी संप्रेशण) 4 मित्र की सहायता करने से मिलने वाली खुशी का अनुभव कराना।	**गतिविधि (1)** प्रश्न–1 कई बार हम दुकानदार या सेल्समैन की बातों में आकर अनावश्यक वस्तु भी खरीद लेते हैं। क्या आप को भी ऐसी किसी घटना का अनुभव है? प्रश्न–2 इसके पीछे क्या कारण है? **(2)** –हास्य विज्ञापन का निर्माण व प्रस्तुति **(3)** 'जब मैंने अपने मित्र की सहायता की' (मौखिक अभिव्यक्ति)	1 हास्य व्यंग्य युक्त कहानी से परिचित हुए। 2 उचित हाव–भाव, आवाज़ के उतार–चढ़ाव व उचित विराम के साथ वाचन का अभ्यास हुआ। 3 हास्य विज्ञापन विधा (एड मैड शो) से परिचित हुए। 4 उचित हाव–भाव के साथ संवाद–अदायगी का अभ्यास हुआ। 5 कल्पना शीलता का विकास हुआ। 6 मुहावरों से अवगत हुए। 7 वाक्पटुता के महत्त्व से परिचित हुए। 8 परिस्थिति अनुसार त्वरित–निर्णय लेने के महत्त्व से हुए। 9 अपनी बात को प्रभावी रूप से कहने का अभ्यास हुआ। 10 मित्र की सहायता करने से मिलने वाली खुशी का अनुभव किया।	विज्ञापन प्रस्तुति /पाठ के वाचन के द्वारा

दिसम्बर 22	1)जहॉ पहियाँ है **व्याकरण**–संधि– यण् , अयादि	**1** विषयवस्तु को धैयपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास करना। **2** विचारों की स्पष्टता, तर्क–वितर्क करने की क्षमता का विकास करना। **3** साक्षात्कार विधा – साक्षात्कार लेना व देना। **4** विचारों को क्रमवार एवं बिन्दुवार प्रस्तुत करना । 5 प्रश्न कौशल का विकास । 6 रिपोर्ट लिखना सिखाना।	**1** नारी सशक्तीकरण से परिचित करवाना। **2** पहिया प्रगति का प्रतीक होता है, इस तथ्य से परिचित करवाना। **3** विपरीत परिस्थितियों का सामना करना सिखाना।. 4 सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। 5 संवेदनशीलता निर्माण करना। 6 नारी जीवन की विशेषताओं व मुश्किलों को समझना।	**गतिविधि 1** अतिथि वक्ता– विपरीत परिस्थितियेां का सामना कर आगे बढ़नेवाली महिल **2** अतिथि वक्ता के संबोधन पर आधारित रिपोर्ट लेखन 3 शिक्षा , खेल, कला, साहित्य के क्षेत्र की महिलाओं से बातचीत – साक्षात्कार **4 नारी एक रुप अनेक** इस विषय पर समूह चर्चा **5** नारे , पोस्टर का निर्माण – नारी जीवन को दर्शानेवाले	**1** विषयवस्तु को धैयपूवक सुनने की क्षमता का हुआ। **2** विचारों की स्पष्टता, तर्क–वितर्क करने की क्षमता का विकास हुआ। **3** साक्षात्कार विधा – साक्षात्कार लेना व देना सीखा। **4** विचारों को क्रमवार एवं बिन्दुवार छात्र प्रस्तुत करने लगे। 5 प्रश्न कौशल का विकास हुआ। 6 रिपोर्ट लिखना सोखा। **7** नारी सशक्तीकरण से परिचित हुए **8** विपरीत परिस्थितियों का सामना करना सिखाना।. 9 सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई। 10 संवेदनशील हुए। 11 नारी जीवन की विशेषताओं व मुश्किलों को समझा।	रिपोर्ट लेखन / समूह चर्चा के द्वारा
जनवरी 20	1) लाख की चूडियाँ	1 मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. तार्किकता का विकास करना। 3 चिंतन–मनन, विश्लेषणात्मक बुद्धि का	1 विद्यार्थी के मन में संवेदना जागृत करना। 2 मानवी जीवन पर मशीनीकरण के प्रभाव से अवगत	**लाख से बनी हुई वस्तुओं को दिखाकर उनके बारे में बताना।** **गतिविधि** (1) हाथ से बनाई जानेवाली पाँच वस्तुओं के बारे में बताइए। (2) मशीनीकरण के कारण गाँवों का बदला हुआ स्वरुप इस विषय पर परिचर्चा।	1 मौखिक अभिव्यक्ति का विकास हुआ। 2. तार्किकता का विकास हुआ। 3 चिंतन–मनन, विश्लेषणात्मक बुद्धि का	परिचर्चा/ विज्ञापन–निर्माण के द्वारा

		विकास करना। 4 तर्क देकर अपनी बात कहना । 5 समस्या समाधान करना। 6. रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास करना। 7 परिचर्चा के घटकों की जानकारी देना। 8 तत्सम – तद्भव शब्दों का परिचय	करवाना। 3 गाँवों का शहरीकरण होने से हुई समस्या की और ध्यान आकृष्ट कराना। 4 विपरीत परिस्थितियों में हार न मानना।	(3) चूड़ियों की दुकान का विज्ञापन–निर्माण	विकास हुआ। 4 रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 5 परिचर्चा के घटकों की जानकारी हुई। 6 तत्सम – तद्भव शब्दों का परिचय हुआ। 7 विद्यार्थी के मन में संवेदना जागृत हुई। 8 मानवी जीवन पर मशीनीकरण के प्रभाव से अवगत हुए	
	2)टोपी **व्याकरण– समास – कर्मधारय , तत्पुरुष , बहुव्रीहि**	1 मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2 लेखन कौशल का विकास करना। 3 अपनी बात को तर्क के साथ प्रसतुत करना। 4 तार्किक क्षमता तथ्य के पक्ष–विपक्ष में विचार प्रस्तुत करना। वाक्चातुर्य सिखाना। 5 मुहावरे तथा लोकोक्ति का प्रयोग वाक्यांश के लिए एक शब्द सिखाना । 6 देशज तथा उर्दू व ध्वन्यात्मक शब्दों का प्रयोग। 7 बात का रोचक व प्रभावी ढंग से प्रस्तुत	1 कार्य का उचित मुआवज़ा देने हेतु प्रेरित करना। 2 सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास 3 दृढइच्छाशक्ति व दृढसंकल्प का महत्त्व समझाना। 4 इच्छापूर्ति के साधनों की प्राप्ति हेतु जुझारू बनाना। 5 निर्णयक्षमता का विकास करना। 6 दूरदर्शी बनाना। 7 संघर्षशील बनाना। 8 वस्तुनिर्माण प्रकिया समझाना।	**गतिविधि–(1**)मौखिक अभिव्यक्ति अपने लक्ष्य/उद्देश्यपूर्ति हेतु कमबद्ध योजना बताइए (2)संवाद लेखन – गवरैया और राजा के मध्य (3) जीवन में लक्ष्यप्राप्ति हेतु दृढ़संकल्प लगन व परिश्रम की सीख देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए। (3) विज्ञापन निर्माण– रंगीला टोपी मार्ट	1 कार्य का उचित मुआवज़ा देने हेतु प्रेरित हुए। 2 सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास हुआ। 3 दृढइच्छाशक्ति दृढसंकल्प परिश्रम का महत्त्व समझा। 4 इच्छापूर्ति के साधनों की प्राप्ति हेतु जुझारू हुए। 5 निर्णयक्षमता का विकास हुआ। 6 दूरदर्शिता का गुण विकसित हुआ। 7 संघर्ष करने की भावना जाग्रत हई। 8 वस्त्र निर्माण प्रक्रिया को समझा। 9 देशज तथा उर्दू व ध्वन्यात्मक शब्दों का	विज्ञापन निर्माण/ मौखिक अभिव्यक्ति के द्वारा

		करना सिखाना। 8 व्यंग्यपूर्ण व चुटीली भाषा का प्रयोग एवं समझ विकसित करना। कल्पनाशीलता का विकास करना। 9 सृजनशील बनाना। पहेलियाँ बूझना। 10 साक्षात्कार देना –लेना।			प्रयोग। 10 बात का रोचक व प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना सोखा।	
फरवरी 21	1)यह सबसे कठिन समय नहीं	1 विषयवस्तु को धैर्यपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास करना। 2 लेखन कौशल का विकास करना। 3 पूर्वज्ञान को आधार बनाकर संबद्ध वाक्यों का निपुणता से प्रयोग करना सिखाना। 4 तुकबंदी करना सिखाना। 5 क्रमवार एवं बिन्दुवार विचारों को लिखना।	**1** विपरीत परिस्थितियों में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सीख देना। 2 धैर्यपूर्वक परेशानियों का सामना करना। 3 आशावादी बनना।	**गतिविधि 1** अतिथि वक्ता – सकारात्मक दृष्टिकोण **(2)** स्वरचित कविता लेखन – **अभी भी** –––से आरंभ करते हुए। (3) –'' डर के आगे जीत है'' – अनुच्छेद लेखन	1 विषयवस्तु को धैर्यपूर्वक सुनने की क्षमता का विकास हुआ। 2 लेखन कौशल का विकास हुआ। 3 पूर्वज्ञान को आधार बनाकर संबद्ध वाक्यों का निपुणता से प्रयोग करना सीखा। 4 तुकबंदी करना सीखा। 5 क्रमवार एवं बिन्दुवार विचारों को लिखना सीखा। **6** विपरीत परिस्थितियों में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने सीखा । 7 धैर्यपूर्वक परेशानियों का सामना करना सीखा ।	कविता लेखन / अनुच्छेद लेखन
	2) बाज और साँप	1 उचित हावभाव तथा आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढने का अभ्यास कराना।	1 आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित करना। 2 दृढ़ इच्छाशक्ति के महत्त्व से	**गतिविधि (1)**–ऐसे महान व्यक्तियों का संक्षिप्त जीवन–वृत्तांत सुनाना, जिन्होंने असफलता के बाद भी केवल दृढ़ इच्छा" शक्ति के बल पर अंततः सफलता प्राप्त की ।	1 उचित हावभाव तथा आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढने का अभ्यास हुआ। 2 विषय–वस्तु को पढ़कर	कहानी–लेखन/ पाठ के वाचन के द्वारा

		2 विषय–वस्तु को पढ़कर अर्थग्रहण करने में सक्षम बनाना। 3 शुद्ध व स्पष्ट **उच्चार**ण करने में सक्षम बनाना। 4अपने विचारों को सटीक, संबद्ध व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। 5शब्दों को उचित वर्तनी के साथ लिखने का अभ्यास कराना।	परिचित कराना। 3 अपनी स्वाभाविक परिस्थितियों में संतुष्ट रहने हेतु प्रेरित करना। 4 वास्तविकता को भूलकर दूसरों की बातों से प्रभावित होने के दुष्परिणाम से अवगत कराना।	(2)पी पी टी (3) अनुच्छेद–लेखन– मन के हारे हार है, मन के जीते जीत (4)प्रश्न– 'अपनी स्वाभाविक परिस्थितियों में संतुष्ट रहने से हम सुखी रह सकते हैं', इस विषय पर अपने विचार पाठ व अपने अनुभव के आधार पर उदाहरण सहित लिखिए। (5) स्वरचित कहानी–लेखन विषय– वास्तविकता को भूलकर दूसरों की बातों से प्रभावित होने के दुष्परिणामों को दर्शाते हुए।	अर्थग्रहण करने में सक्षम बने। 3 शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण करना सीखा। 4 अपने विचारों को सटीक, संबद्ध व क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास हुआ। 5 शब्दों को उचित वर्तनी के साथ लिखने का अभ्यास हुआ। 6 आलोचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित हुए। 7 दृढ़ इच्छाशक्ति के महत्त्व से परिचित हुए। 8 अपनी स्वाभाविक परिस्थितियों में संतुष्ट रहने हेतु प्रेरित हुए। 9 वास्तविकता को भूलकर दूसरों की बातों से प्रभावित होने के दुष्परिणाम से अवगत हुए।	
मार्च 21	**व्याकरण–विराम चिह्न पुनरावृत्ति**			**26 मार्च से 08 अप्रैल–वार्षिक परीक्षा–2017.18**		